

Course Code HIC-101

बी० ए० प्रथम सेमेस्टर

हिंदी अनिवार्य

L-T-P.

6 - - -

External Marks: 80

Internal Marks: 20

Total Credits: 6

Total Marks: 100

घटक-1 ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद (सप्रसंग व्याख्या)

16 अंक

घटक-2 ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद (आलोचनात्मक प्रश्न)

16 अंक

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य

2 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्रा योजना

3 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता

4 प्रसाद की नाट्यकला

16 अंक

घटक-3 हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1 काल विभाजन

2 आदिकाल का नामकरण

3 आदिकाल की परिस्थितियाँ

4 आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ

5 रासो काव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

16 अंक

घटक-4 व्यावहारिक हिन्दी

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1 भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, माध्यम भाषा,

मातृभाषा

2 मानक-भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

3 हिन्दी की बोलियाँ- हरियाणवी, राजस्थानी, ब्रज, अवधी, भोजपुरी

4 हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान

5 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

21.8.17

Reflex Mark
21.8.17

21.8.17

Maye
अनील कुमार

Course Code HIC-102
बी० ए० द्वितीय सेमेस्टर
हिंदी अनिवार्य

Internal: 80
Final: 20

Total Credits : 6
Total Marks : 100

घटक-1 मध्यकालीन काव्य-कुन्ज (सप्तसंग ब्याख्या)

16 अंक

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि

कबीर(१-५१) सूरदास(१-२६) तुलसीदास(रामचरितमानस के उत्तरकांड से १-४ दोहे, कवितावली के यालकांड से ५-९ दोहे, अयोध्याकांड से १०-१४ दोहे) बिहारी(१-५१) घनानंद(१-२५)

16 अंक

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 1 कबीर की सामाजिक चेतना
- 2 सूरदास का वात्सल्य-वर्णन
- 3 तुलसीदास की भक्तिभावना
- 4 बिहारी का शृंगार वर्णन
- 5 प्रेम की पीर के कवि घनानंद

घटक-3 हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

16 अंक

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 1 भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
- 2 संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
- 3 सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
- 4 राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
- 5 कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
- 6 भक्तिकाल : स्वर्णयुग

घटक-4 काव्यांग परिचय

16 अंक

1 रस : स्वरूप और अंग, रस के भेद

2 अलंकार-अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रातिमान, अतिशयोक्ति, सन्देह,

मानवीकरण, अन्योक्ति.

3 छंद-दोहा, चौपाई, सौरठा, बरवें, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घञ्जकरी

Signature
21/10/24

21/10/24

16/11

साहित्यिक ग्रंथ सूची

1. काव्य शास्त्र - भागीरथ मिश्र
2. रस मंजरी - कन्हैया लाल पोद्दार
3. अलंकार मंजरी - कन्हैया लाल पोद्दार
4. काव्य के रूप - गुलाब राय
5. रस मीमांसा - राम चन्द्र शुक्ल
6. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी
7. काव्य दर्पण - राम दहिन मिश्र
8. हिंदी साहित्य का इतिहास - राम चन्द्र शुक्ल
9. हिंदी साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ० नगेंद्र, सुरेश चंद्र शुक्ल
11. प्रयोजन मूलक हिन्दी - डॉ० डी. के जैन, सिंघल, गर्ग
12. अलंकार दर्पण - डॉ० नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
13. प्रयोजन मूलक हिन्दी - डॉ० नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

ग्रन्थपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. ग्रन्थपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अनन्तगत लगु उत्तर वाले विकल्परहित 8 प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघुप्रश्नात्मक प्रश्न दो

(2) अङ्कों का होगा।

3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

11/12/17
Rajwan Malik
11.8.17
12.1.17
Bansal
Bansal

SARAN GUPTA

fern
Majhi

सहायक ग्रन्थ सूची

- २२ -

1. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी
2. काव्य दर्पण - राम दहिन मिश्र
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - राम चन्द्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा
6. रीति काव्य की भूमिका - नगोन्द्र
7. प्रयोजन मूलक हिंदी - प्रो० नरेश मिश्र
8. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार पल्लोत्रा
9. कंप्यूटर और हिंदी - हरि मोहन
10. संवार क्रांति - नारायण, नेशनल बुक ट्रस्ट
11. आधुनिक जन संचार और हिंदी - हरि मोहन
12. प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ० डी. के. जैस सिंघल, गर्ग

प्रश्नपत्र निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अंक निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र इतने करते का समय तब (3) घंटे होंगे।
2. उच्च प्रश्न चयनक्रम के चर्चे घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर करना जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होंगे। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्पसहित 8 प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक लघुत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अंकों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

11/11/12
11.8.18
11.8.12
11.8.18
11.8.12

11/11/12

11/11/12

11/11/12

11/11/12

Course Code: HIC-301
बी० ए० प्रथम सेमेस्टर
हिंदी अनिवार्य

L-1-P.
6

External Marks: 80
Internal Marks: 20

Total Credits: 6
Total Marks: 100

घटक-1 समकालीन हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक (समसंग व्याख्या)
प्रस्तावित निघारित पाठ्यपुस्तक

- 1 स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय
- 2 धर्मवीर भारती
- 3 श्रीनरेश मेहता
- 4 नागार्जुन
- 5 रघुवीर सहाय

16 अंक

घटक-2 रामकालीन हिंदी कविता (आलोचनात्मक प्रश्न)
निघारित आलोचनात्मक प्रश्न

16 अंक

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे।

घटक-3 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

16 अंक

पाठ्यक्रम में निघारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 1 भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
- 2 द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
- 3 छायावाद
- 4 प्रगतिवाद
- 5 प्रयोगवाद
- 6 नयी कविता

घटक-4 काव्य शास्त्र

- 1 शब्द शक्तियाँ
- 2 काव्य गुण
- 3 प्रतीक
- 4 शिब

16 अंक

Singh

Sharma
Maugh
Sharma
4.8.18
1.8.18

सहायक ग्रन्थ सूची

- 26 -
1. हिंदी साहित्य का इतिहास- राग-चंद्र शुक्ल
 2. हिंदी साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
 3. हिंदी साहित्य का इतिहास 'दोनों भाग' - विश्व नाथ प्रसाद मिश्र
 4. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं० नगेन्द्र, पुरेश चंद्र शुक्ल
 5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ० रामकुमार वर्मा
 6. काव्य शास्त्र - भगीरथ मिश्र
 7. काव्य सिद्धान्त - ओम प्रकाश शास्त्री
 8. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्य देव चौधरी

ग्रन्थ-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. ग्रन्थ के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। ग्रन्थ-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
 2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों बटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। वह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित 8 प्रश्न पूरे जाएँ। प्रत्येक लघुसपासक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
 3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ बटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक बटक से दो वैकल्पिक प्रश्न लेकर परीक्षार्थी से प्रत्येक बटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।
- घटक-1 समकालीन हिंदी कविता (निर्धारित कवितारें -)

सं०ही० वात्स्यायन अज्ञेय

हमारा देश , कितनी नावों में कितनी बार , नाच , सूनी भी सांझ एक , सौँप

धर्मवीर भारती

रथ का टूटा पहिया , फ़ागुन की शाम , बोआई का गीत , गुलाम बनाने वाले , विपलब्धा

नरेश मेहता

मंत्र-गंध और भाषा , अरण्यानी से वापसी

नागार्जुन

उनको प्रणाम , सिन्दूर तिलकित भाल , बादल को घिरते देखा है , प्रेत का बयान , अकाल और

उसके बाद

रघुवीर सहाय

लोकतन्त्र का संकट , चिड़ियाँ , भाषा का युद्ध , धूप , रामदास

11/12/17
7.8.18
S. N. R. K.
M. R. K.
S. N. R. K.
M. R. K.
S. N. R. K.
M. R. K.
S. N. R. K.
M. R. K.

साहायक-ग्रन्थ सूची

1. प्रसादन कला - के० बी० नारायणन
2. समाचार सम्पादन - प्रेम नाथ चतुर्वेदी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास- राम चंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास 'दोनों भाग' - विश्व नाथ प्रसाद मिश्र
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं० नगेन्द्र, सुरेश चंद्र शुक्ल
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ० रामकुमार वर्मा
8. समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला - डॉ० हरिमोहन
9. जन माध्यम और पत्रकारिता - प्रवीण दीक्षित
10. लोक सम्पर्क - राजेन्द्र, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
11. प्रयोजन मूल हिंदी - प्रो० नरेश मिश्र
12. समाचार संकलन और लेखन - नंद किशोर
13. गीडिया लेखन - डॉ० नरेश मिश्र
14. प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ० डी० के जैन, सिधल, गर्ग

प्रत्येक-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रस्ताव के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्पसहित 8 प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघुसूत्रत्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाएगा।

21/3-3-17
 11.5.17
 Dr. Ram K. Mishra
 (Signature)
 11.5.17
 Dr. R. K. Mishra
 (Signature)